नवभारत
दुर्ग भिलाई
रायपुर, गुरूवार 22 जुलाई 2010

स्कूल से भागने वाले बच्चों की खैर नहीं

प्रेस कान्फ्रेंस में सिस्टम की सूचना देते कंपनी के अधिकारी

✦ नवभारत संवाददाता

भिलाईनगर. स्कूल से भागने वाले शरारती बच्चों की अब खैर नहीं है. घर से निकलकर स्कूल नहीं पहुंचना उन्हें महंगा पड़ सकता है. पीनेकल टेलीसर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड एक अनोखा एवं अपनी तरह का प्रथम आरएफआई सिस्टम लांच करने जा रहा है. इसकी सहायता से अभिभावक अपने स्कूल जाने वाले बच्चों की संपूर्ण गतिविधियों से अवगत हो सकेंगे. यह संभव होगा उनके द्वारा प्रयोग किए जा रहे मोबाइल फोंस एवं उनके बच्चों के स्कूल में लगे अन्य सहायक संचार उपकरणों के माध्यम से.

आरएफआई सिस्टम पैरेंट्स को देगा सूचना
शंकरा विद्यालय में हुआ इंस्टाल

होटल अमित इंटरनेशन में आज प्रेस कांफ्रेंस में पीनेकल टेलीसर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड के डायरेक्टर राजेश बेनर्जी ने बताया कि आरएफआई सिस्टम छत्तीसगढ़ में शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 से शुरू किया जा रहा है. इस सिस्टम में रेडियो तरंगों की बेहद विस्तारित टेक्नोलॉजी के सहारे बच्चों के फोटो आईडी कार्ड को तुरंत की लोकेट कर लेगा. जैसे ही वह स्कूल के मुख्य द्वार से अंदर प्रविष्ट होगा आरएफआई रीडर इन सिग्नल को तुरंत ही कैच करेगा एवं बच्चों के स्कूल आगमन एवं प्रस्थान की सूचना इनबिल्ट ऑटोमेटेड बीएनओ नोटिफिकेशन सिस्टम के माध्यम से उनके अभिभावक के मोबाइल फोन पर प्रेषित कर देगा. स्कूल पहुंचने एवं छूटने के एलर्ट के अलावा यह पालक के लिए और भी ज्यादा उपयोगी होगा, क्योंकि इस सिस्टम के जरिए वे बच्चों की स्कूल में होने वाली तमाम गतिविधियों की पल-पल की जानकारी ले सकेंगे. उन्होंने बताया कि यह आजकल नगरों की तेज दिनचर्या में जहां अभिभावक ज्यादातर व्यस्त एवं काम काजी ▸▸ शेष पृष्ठ 6 पर

स्कूल से भागने वाले...

लाईफ जीते हैं, को बच्चों की लगातार जानकारी से अपडेट रहेंगे. बच्चों के स्कूल पहुंचने एवं छूटने की जानकारी के अतिरिक्त इस सिस्टम के माध्यम से स्कूल प्रशासन बच्चों के अभिभावक से सीधा संवाद स्थापित कर सकते हैं तथा बच्चे की रेगूलर एक्टिविटिज के अपडेट्स, महत्वपूर्ण सूचनाएं तथा अन्य आवश्यक सूचना अभिभावक तक सीधे ही प्रेषित कर सकते है. यह महत्पपूर्ण सूचनाएं स्कूल पैरेंट्स मीटिंग में 2-3 महीनों में होती हैं. इस आरएफआई सिस्टम के माध्यम से रोजाना हो पाना संभव है. यह आरएफआई सीस्टम बच्चों की सेहत के लिहाज से पूर्णतया सुरक्षित है क्योंकि इसमें उपयुक्त होने वाली रेडियो फ्रीक्वेंसी सरकार द्वारा एप्रूव्हड है. कहना है कि स्कूलों को इस सिस्टम को अपने यहां लागू करने के लिए भारी भरकम खर्च करने की आवश्यकता नहीं है, न ही बच्चों को दो-दो फोटो आई कार्ड की जरूरत होगी. जो अभिभावक अपने बच्चों के हित में इस सुविधा का उपयोग करेंगे, उनसे ली जाने वाली मासिक राशि भी बेहद कम होगी. संस्था के डायरेक्टर अनुराग श्रीवास्तव व कपिल सिब्बल ने बताया कि यह सिस्टम बच्चों के लिए बहुत उपयोगी है. शंकरा विद्यालय शिक्षण समिति के चेयरमैन आरटी रामचन्द्रन ने बताया कि बच्चों के अनुशासन व रिजल्ट के लिए आरएफआई सिस्टम उपयोगी है. इसका प्रति स्टूडेंट खर्च 100 रूपये आयेगा. यह सभी के लिए अनिवार्य है. कुछ महीनों तक यह खर्च स्कूल प्रबंधन वहन करेगा.